हिन्दी मिलाप

स्कूली विद्यार्थियों के लिए बह रही है स्वच्छ जलधारा

हैदराबाद, 21 फरवरी-(एफ एम सलीम) स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर के अलावा मूलभूत सुविधाएँ काफी मायने रखती हैं। विशेषकर उन्हें स्कूल में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है या नहीं? इसी प्रश्न के उत्तर को लेकर हैदराबाद की एक संस्था जलधारा सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। जलधारा ने 9,000 से अधिक विद्यार्थियों तक स्वच्छ एवं सुरक्षित जल सुविधा पहुँचाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। इससे अकेले रंगारेड्डी जिले में तीन हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं।

जलधारा फाउंडेशन ने स्कूली बच्चों और स्थानीय समुदायों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का काम 2018 में शुरू किया था, जो देश के कई हिस्सों तक पहुँच चुका है। फाउंडेशन की अध्यक्ष सीमा अजहरूद्दीने ने 'मिलाप' को बताया कि जलधारा फाउंडेशन कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी को समझते हुए दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले स्कूली बच्चों और समुदायों तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहा है। फाउंडेशन ने वर्ष 2018 से अब तक रंगारेड्डी और आदिलाबाद जिलों में लगभग 15 समुदायों को सुरक्षित जल सुविधा प्रदान की गयी है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा डीसीडब्ल्यूएस के माध्यम से आंध्र-प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में पूरे भारत में 120 समुदायों तक उपलब्ध करायी जा रही है।

जलधारा फाउंडेशन की अध्यक्ष सीमा अजहरूद्दीन व संस्था द्वारा किए जा रहे कार्य।

पेयजल केंद्र चौबीसों घंटे काम करते हैं। इसके अलावा संगठन ने जल स्वास्थ्य केंद्र (डब्ल्यूएचसी) भी स्थापित किये हैं। परियोजना में वाटरहेल्थ का सहयोग प्राप्त किया गया है। इसके तहत स्कूलों के पास शुद्ध पेयजल प्रदान करने की प्रक्रिया से रंगारेड्डी के 3,400 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। इससे सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल रही है।

सीमा अजहरूद्दीन ने कहा कि 5 साल से कम उम्र के बच्चे अशुद्ध पानी से होने वाली बीमारियों की चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं। कम आय वाले समुदायों में संगठन के हस्तक्षेप से इस समस्या को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। फाउंडेशन अपने इन कार्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को जलाशयों से पानी लाने के लिए दूर तक पैदल जाना पड़ता है। उनका संगठन इस समस्या के समाधान के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत काम करने की योजना पर अमल कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बचपन में ही कुछ ईमानदार लोगों से समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिली थी। भले ही तेलंगाना में लगभग 98 प्रतिशत आबादी को नल के माध्यम से पेयजल पहुँचाया जा रहा है, फिर भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ पेयजल या तो उपलब्ध नहीं है या प्रदूषित है। अक्सर सीवरेज या भूजल के मिश्रण से दूषित होने के कारण ऐसा होता है। उन्होंने कहा कि जल स्रोत की गुणवत्ता पर जल शक्ति मंत्रालय की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया कि तेलंगाना के लगभग 12 प्रतिशत नमूने प्रदूषित पाये गये। नलगोंडा जिले में फ्लोराइड की समस्या और आदिलाबाद के कुछ दूरदराज के इलाकों में पीने योग्य पानी की कमी की समस्या आज भी विद्यमान है। संगठन चाहता है कि वहाँ पहुँचकर लोगों को राहत प्रदान की जाए, जहाँ सरकारी तंत्र नहीं पहुँच पा रहा है। साथ ही लोगों में सुरक्षित पेयजल के बारे में जागरूकता लाने का भी प्रयास किया जा रहा है। सीमा अजहरूद्दीन ने कहा कि वह महिलाओं और बच्चों के लिए काफी कुछ करना चाहती हैं। स्कूलों के लिए सुरक्षित जल योजना इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।